



गोल्ड स्कीम में बदलाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रजिस्ट्रेशन बैंक ऑफ इंडिया ने स्वरण-मुद्रीकरण योजना (Gold Monetization Scheme-GMS) में कुछ बदलाव लाने की घोषणा की है।

प्रमुख बदलाव

- 2015 में शुरू की गई इस योजना में कुछ बदलावों हेतु RBI द्वारा अधिसूचना जारी की गई है।
- अधिसूचना जारी होने के बाद इस योजना के तहत अब चैरिटिबल संस्थाएँ, केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र सरकार या राज्य सरकारों के अधीन कोई संस्था भी इस योजना का लाभ ले सकेगी।
- स्वरण-मुद्रीकरण योजना (Gold Monetization Scheme-GMS) की शुरुआत 2015 में की गई थी।

क्या है स्वरण-मुद्रीकरण योजना?

- स्वरण-मुद्रीकरण योजना (Gold Monetization Scheme-GMS) के तहत कोई व्यक्ति (अब चैरिटिबल संस्थाएँ, केंद्र सरकार, राज्य सरकार भी) अपना सोना बैंक में जमा कर सकता है।
- इस पर उन्हें 2.25% से 2.50% तक ब्याज मिलता है एवं परापिकवता अवधि के पश्चात वे इसे सोना अथवा उपर के रूप में प्राप्त कर सकते हैं।
- इस स्कीम की खास बात यह है कि पहले लोग सोने को लॉकर में रखते थे, लेकिन अब लॉकर लेने की ज़रूरत नहीं पड़ती है और इस पर कुछ निश्चयित ब्याज भी मिलता है।
- स्कीम के तहत इसमें कम-से-कम 30 ग्राम 995 शुद्धता वाला सोना बैंक में रखना होता है। जिसमें बैंक गोल्ड-बार, स्किक्स, गहने (स्टोन्स रहति और अन्य मेटल रहति) को स्वीकृत दिये गए हैं।

क्या आ उद्देश्य?

- ‘स्वरण-मुद्रीकरण योजना’ भारत द्वारा बड़े पैमाने पर किये जाने वाले स्वरण आयात को कम करने के लिये परारंभ की गई थी क्योंकि स्वरण आयात भारत के व्यापार घाटे (Trade Deficit) की एक बड़ी वज़ह है।
- इस योजना के तहत बैंक के ग्राहक अपने बैंकर पड़े सोने को ‘सावधजिमा’ के रूप में बैंक में जमा कर सकते हैं।
- सरकार को आशा थी कि इस पहल से घरों एवं मंदरिंगों में बैंकर पड़ा सोना बड़ी मात्रा में बैंकों में जमा होगा जिससे पघिलाकर जौहरियों एवं अन्य प्रयोक्ताओं को प्रदान किया जा सकेगा। इस प्रकार सोने के पुनर्चक्रण के माध्यम से सोने के आयात को घटाया जा सकेगा।

योजना सफल या असफल?

- एक तरफ भारत में घरों एवं मंदरिंगों में लगभग 20,000 टन सोना पड़ा है तो दूसरी ओर सोने का आयात भी लगातार बढ़ रहा है। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है एवं भारत के व्यापार घाटे के एक-चौथाई से अधिक भाग का कारण सोने का आयात है।
- भारत में स्वरण-स्टॉक का तीन-चौथाई से अधिक आभूषणों एवं मूरतियों के रूप में है जिससे लोगों का भावनात्मक जु़ड़ाव भी होता है। चूँकि इस योजना के तहत जमा सोने को पघिलाया जाता है, अतः लोगों का इस योजना की तरफ कम झुकाव होना सवाभाविक है।
- इसके अलावा, बैंकों में जमा करवाने पर सोना आधिकारिक अरथव्यवस्था का हस्तिसा बन जाएगा जिससे अनधिकृत धन एवं कालेधन से खरीदे गए सोने को जमा करना मुश्किल है।
- अभी भी लोगों को इस योजना के बारे में पूरी जानकारी नहीं है एवं वित्तीय समावेशन की कमी के कारण जनता के एक भाग की बैंकों तक पहुँच नहीं है।
- भारत में सोने को ऋण लेने के लिये जमानत (Collateral) के रूप में प्रयोग किया जाता है एवं संकट काल के लिये बचाकर रखा जाता है। अतः सावधि जमा खाते में जमा करवाने पर वे सोने का ऐसा उपयोग नहीं कर पाएंगे।
- स्वरण-मुद्रीकरण योजना आरथिक दृष्टिकोण से एक प्रगतिशील पहल है जो नविशकों द्वारा सोने के इष्टतम उपयोग को बढ़ाने एवं देश के व्यापार घाटे को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। अतः सरकार द्वारा सोने की तरलता एवं पूँजी लाभों को सुनिश्चित कर इस योजना को सफल बनाया जा सकता है।

स्रोत- द हंडि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/changes-in-gold-scheme>